IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

नगर निकाय में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की समस्याएँ (इंदौर शहर के विशेष सन्दर्भ में)

डॉ. सुधा जैन

शोध निर्देशिका, प्राध्यापक समाजकार्य, इन्दौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, इन्दौर

देवेन्द्र सिंह राठौर

शोधार्थी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सारांश

नगर निकाय में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की समस्याओं पर अध्ययन किया, क्योंकि देखने में आता है कि उनका जो कार्य होता है, बड़ा ही संवेदनशील होता है। कहने का तात्पर्य है कि वो गंदगी साफ करने का कार्य करते है। जिससे अनेक कीटाणु होते है या हम कह सकते है कि ऐसे खतरनाक वायरस पाये जाते. है। अगर उनके द्वारा स्वच्छता कार्य करते समय किसी सुरक्षात्मक वस्तुओं का उपयोग नहीं करने पर वे इन खतरनाक वायरस शिकार हो सकते है। जिससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। स्वच्छता कार्य को सुचारु रूप से क्रियान्वित करने हेतु सफाई कर्मचारियों की बीमा योजना के द्वारा मदद की जाए और इनका बीमा करवाया जाए। बंद सीवर को खोलने और विषैला कूड़ा उठाने के समय सांस के द्वारा जो गैसे इनके अन्दर जाती है और इनके जीवन को खतरा हो जाता है। कभी–कभी तो मौत भी हो जाती है तो उसके परिवार को जीवनभर समस्याओं से जूझना पड़ता है।

परिचय

आज सफाई कर्मचारी सरकारी व अर्द्धसरकारी सेक्टर में काम करते हैं। इस काम में बहुत सी महिलायें भी लगी हुई है जो अपना घरेलू कार्य व बच्चों को छोड़कर सफाई कार्य करने जाती है, वह भी न्यूनतम वेतन पर जो कि समय पर नहीं दिया जाता है। जब भारत ने इतनी तरक्की की हो, वैज्ञानिक तरक्की की हो उसमें हमारे सफाई कर्मचारियों की ये हालात है तो देश की स्वच्छता का ध्यान कौन रखेगा। सफाई कर्मियों की इसी प्रकार के संवेदनशील मुद्दे है एवं इससे सम्बंधित उनकी कई सारी समस्याएँ है जिन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. अतः इन समस्याओ की और ध्यान देना एवं उनका निपटान करने के लिए इस पर कार्य करना आवश्यक है.

सफाई कार्य को निरंतर रूप से संचालित करने हेतु इनको बीमा योजना का सम्पूर्ण फायदा दिया जाय । जिसके अंतर्गत उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक संरक्षण प्रदान किया जाए, उनके लिए फ्री मेडिकल एड होनी चाहिए और उनका एक सर्वे होना चाहिए जिसमें यह तय किया जाना चाहिए कि उनका कार्ड बनवाया जाए. उनका मेडिकल चेकअप किया जाए और चेकअप के अनुसार दवाईयां दी जाए और सफाई कार्य के दोरान उन्हें सुरक्षात्मक वस्तुएं उपलब्ध करायी जाए । समय–समय पर इन्हें अपने कार्य के प्रति जागरुक किया जाए एवं उन्हें प्रशिक्षण दिया जाए सफाई कर्मचारियों का कार्य अत्यंत ही महत्वपूर्ण होता है, जिससे उनको उनके कार्य के अनुरुप सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, जिससे उनका मनोबल बढेगा और स्वच्छता अभियान को गति प्राप्त होगी।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

समस्या का कथन एवं समस्या को चुनने का कारण: यह देखने में आया है कि नगर निकाय में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति काफी दयनीय है उनकी स्वास्थ्य एवं कार्यदशाएँ अच्छी नहीं है, जिस पर अधिक गौर नहीं किया है। अतः यह सामाजिक समस्या का गंभीर पहलू है, जिस पर ध्यान देना एवं कार्य करना अति आवश्यक है। इसी को मुख्य बिंदु मानते हुए शोधकर्ता के द्वारा इसे अध्ययन का विषय लेकर शोध कार्य किया गया है.

मुख्य शब्दावली :– अध्ययन में आने वाली प्रमुख शब्दावलियो की परिभाषाएँ निम्ननुसार है ।

1. सफाईकर्मी – कचरा प्रबंधन के अन्तर्गत सफाई कर्मियों का विशेष योगदान रहता है कर्मियों द्वारा ही कचरे को एकत्रित करना, कचरे को संग्रहण केंद्रों तक पहुंचाना कचरा पृथक्करण करना उसका पुनर्चक्रण करना आदि। सफाई कर्मियों द्वारा ही सपन्न किया जाता है ।
2. सफाई मित्र – कचरा प्रबन्धन में सफाई मित्र जाकर कचरा एकत्र करते है। शहर के शौचालयों को नियमित रूप से साफ करते हैं। सफाई मित्रो के द्वारा ही कचरे को यथास्थान पहुचा कर शहर को स्वच्छ बनाना सम्भव हो पाता है।
3. कचरा एकत्रीकरण – कचरा प्रबन्धन के अन्तर्गत कचरे को सभी स्थानों पर से एकत्र कर संग्रहण केंद्र तक पहुचाया जाता है । यही कचरा एकत्रीकरण है ।
4. संग्रहण केन्द्र – यह वो स्थान है जहाँ शहर समस्त कचरा संग्रहित किया जाता है तथा कई तरह उपचारित किया जाता है।
5. पृथक्करण – कचरा प्रबन्धन के अर्न्तगत कुरा संग्रहण केन्द्र पर पहुंचता है। तो उसे सफाई कर्मियों के द्वारा पृथक पृथक किया जाता है। जिससे उसे उपचारित करने में सहायता होती है।
6. पुर्नचक्रण – इस प्रक्रिया के अर्न्तगत पृथक किए हुए कचरे का उपयोग कर उससे उपयोगी वस्तुएँ बना कर कचरे से उपयोग वस्तुऐ बनाई जाती है।

सफाई कर्मियों की वेतन स्थिति :– इसमें परीक्षण की अवधि 1 वर्ष तक रहती है । कार्य संतोषजनक होने पर इस अवधि को बढ़ाया जा सकता है अथवा सेवा से हटाया जा सकता है। ग्रामीण सफाईकर्मी का वेतनमान 5,200 रुपये और ग्रेड पे 1800 है। इन्दौर सफाई कर्मचारी वेतन के बारे में अधिक जानकारी आधिकारिक विज्ञापन में दी जाती है, **सफाई कर्मियों मे बहुत से** सफाई कर्मचारी अस्थाई है , ठेकेदार के द्ववारा नियुक्त है , दैनिक वेतनभोगी होते है इनकी वेतन की स्थिति संतोषजनक नही है , बहुत कम वेतन इनको प्राप्त होता है ।

सफाई कर्मी के साथ मानवाधिकार की घटनाएं – राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, एनएचआरसी, भारत ने 15 नवंबर, 2022 को तमिलनाडु के करूर जिले के गांधी नगर में एक निर्माणाधीन घर में एक विशिष्ट टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से तीन श्रमिकों की मौत की मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लिया है। आयोग ने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, तमिलनाडु और नगर आयुक्त, करूर को नोटिस जारी कर मामले में रिपोर्ट मांगी है। उन्हें जवाब देने के लिए छह सप्ताह का समय दिया गया है। मुख्य सचिव को निर्माण स्थल पर सेप्टिक टैंक की सफाई का कार्य सौंपे गए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी जवाबदेही तय करने के साथ ही मृतक के परिजनों को दिए गए मुआवजे और पुनर्वास के संबंध में एक कारवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है. । रिपोर्ट में सीवरसेप्टिक टैंक आदि के खतरनाक सफाई कार्य में शामिल श्रमिकों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए जागरूकता और संवेदीकरण शिविरों के साथ–साथ ऐसे सफाई कर्मचारियों के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम शामिल हैं। पालन की जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं को निर्दिष्ट किया गया । एक्शन

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

टेक रिपोर्ट में एनएचआरसी द्वारा 24 सितंबर, 2021 को खतरनाक सफाई कार्य में लगे व्यक्ति के मानवाधिकारों की सुरक्षा और उसके परिणाम के संबंध में जारी की गई सलाह को लागू करने की भी उम्मीद थी।

पुलिस महानिदेशक को इस संबंध में दर्ज प्राथमिकी, गिरफ्तारी, यदि कोई हो, की स्थिति रिपोर्ट करने के लिए कहा गया , रिपोर्ट में उन सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 304–ए को लागू करके मौत में योगदान देने वाली आपराधिक लापरवाही शामिल होना चाहिए था, जिन्होंने मृतक कर्मचारी को बिना सुरक्षा उपकरण के निर्माणाधीन घर में सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए भेजा था।

लेकिन ऐसा कुछ किया नहीं गया और यहाँ सफाईकर्मियों का साफ तौर पर मानव अधिकारों का हनन दिखाई देता है

शोध अध्ययन के उद्देश्य

- नगर निकाय में कार्यरत सफाई कर्मियों के कार्यों में आ रही कठिनाईयों का अध्ययन करना।
- सफाई कर्मियों के लिए बनाई गई योजनाओं एवं कार्यक्रमों को जानना
- सफाई कर्मियों की स्थिति को सुधारने के लिए उनके द्वारा बताये गये सुझावो व उपायों का अध्ययन करना।

तालिका – 1.1

सफाई कर्मियों की शिक्षा एवं आर्थिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए उपाय के मध्य द्विचरिय तालिका

सफाई कर्मियों की शैक्षणिक स्थिति	आर्थिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए उपाय			
	अन्य जगह पर कार्य करते है	उधार लेते है	कुछ नहीं करते है	कुल
1 शिक्षित	210 (52.5)	80 (20)	30 (7.5)	320 (80)
2 अशिक्षित	10 (2.5)	13 (3.25)	57 (14..25)	80 (20)
कुल	220 (55)	93 (21.25)	87 (21.75)	400 (100)
x^2= 3.12, **स्वतंत्रता की कोटि (df)** = 2, सार्थकता स्तर =.02 , सार्थक				

इस तालिका द्वारा स्पष्ट होता है की सफाई कर्मियों की शिक्षा एवं आर्थिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए उपाय के मध्य द्विचरिय तालिका दर्शाती है की दोनों चरो के मध्य सह सम्बन्ध है दोनों चर एक दूसरे से सम्बंधित है । अर्थात यह कहा जा सकता है की शिक्षित सफाई कर्मी आर्थिक कमी या कठिनाई को दूर करने के लिए अन्य कार्य करते है एवं कुछ और उपाय करते है , जबकि अशिक्षित कर्मी इसके लिए कुछ ज्यादा प्रयास नहीं करते है. अतः उपकल्पना सही सिद्व होती है की दोनों चरो के मध्य सह सम्बन्ध है,एवं उसे स्वीकार किया जा सकता है

नगर निकाय में कार्यरत सफाई कर्मियों की स्थिति सम्बंधित प्राप्तियाँ -

- महिला कर्मियों की संख्या पुरुषों की तुलना में कम है एवं पुरुष कर्मियों की संख्या 61.25 प्रतिशत है । अधिकतर यह देखा गया है की महिलाए इस कार्य में नहीं आना चाहती क्योंकि इसे सम्मानजनक कार्य नहीं कहा जाता **है.**

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

- सफाईकर्मियों में 80 प्रतिशत साक्षर है , लेकिन इसमें से अधिकतर अर्थात 57.5 प्रतिशत केवल हायर सेकेंडरी ही पास है ।
- सफाई कर्मियों को इज्जत प्राप्त नहीं होती, बल्कि उन्हें नफरत की दृष्टि से देखा जाता है, अध्ययन में 43.75 प्रतिशत का मत था की उन्हें समाज में नफरत की नजरों से देखा जाता है एवं सामाजिक कार्यो में भी नहीं बुलाया जाता है ।
- सफाई कर्मियों ने अपनी आर्थिक कठिनाई बताई एवं इसमें 47.5 प्रतिशत ने बताया की कम वेतन एवं 37.5 प्रतिशत ने इसका कारण कार्य की अनिश्चितता बताया. आर्थिक कठिनाई को दूर करने के लिए 55 प्रतिशत अन्य स्थान पर कार्य करते है एवं 23.75 प्रतिशत धन राशी उधार लेते है ।
- सफाई कर्मियो की स्वास्थ्य की समस्याओं में श्वास की समस्याएँ 37.5 एवं 30.5 प्रतिशत ने बताया की उन्हें त्वचा की परेशानी है स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु व्यवस्था है, जिसमें 52.5 ने जवाब दिया की स्वास्थ्य सुविधा बिलकुल अच्छे से नहीं है, एक भी ऐसा उत्तरदाता नहीं था जिसने ये जवाब दिया की बहुत अच्छी स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था रहती है. महिला पुरुषों की तुलना में महिलाएं पुरुषों से अधिक स्वास्थ्य परेशानी से गुजर रही है उनका प्रतिशत 51.61 है जबकि पुरुषों का प्रतिशत 42.85 है ।

उपसंहार

सफाईकर्मियों की कार्यस्थल पर बहुत सारी परेशानियाँ है. वे स्वास्थ्य की परेशानियों से जूझ रहे है साथ ही उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति भी बहुत कमजोर है. सरकार एवं गैर सरकारी संस्थान इसमें हस्तक्षेप करके इनकी स्थिति को सुधार सकते है।सफाई कर्मियों की स्तिथि सुधारने हेतु सरकार को सफाई कर्मियों की नियमित नियुक्ति पर ध्यान देना चाहिए , इससे आगे की बहुत अनियमितताएं दूर हो सकती है । सफाई कर्मियों की कार्यदशाओ को अच्छा करना चाहिए जैसे उनके लिए बैठने की व्यवस्था, पीने के पानी व्यवस्था ,विश्राम गृह आदि की व्यवस्था करना चाहिए ।सफाई कर्मियों को कार्य तथा कानून अधिकारों की जानकारी गैर सरकारी संस्थाओ या सामाजिक कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त करना चाहिए ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

[1]. खेत्रापाल भीमसेन (2016) मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम एवं नियम पूजा लॉ हाउस, खेत्रपाल पब्लिकेशन इन्दौर।

[2]. मनहर बालाजी भाई झाला, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग अध्यक्ष, हिन्दुस्तान समाचार, भोपाल

[3]. राजीव कुमार, उपाध्यक्ष, नीति आयोग

[4]. राजेन्द्र शर्मा, सफाई कर्मचारियों को मिले मूलभूत सुविधाएँ पत्रिका छिन्दवाड़ा 27 फरवरी 2018

[5]. दैनिक भास्कर, बिजनेस भास्कर, स्वस्च्छता पर एक डॉलर खर्च करने पर आमदनी चार से पाँच डॉलर बढ़ती है. इन्दौर 5 अक्टूबर 2018